पटरी पर उड़ान गतिमान

www.jagran.com

यह है गतिमान एक्सप्रेस की खासियत

ट्रेन सुबह 8.10 बजे निजामुद्दीन से चलेगी, सुबह 9.50 बजे कैंट पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 5.50 बजे चलकर शाम 7.30 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी।

ट्रेन में 12 कोच, जिसमें दो एग्जीक्यूटिव, आठ एसी चेयरकार व दो जेनरेटर कम एसएलआर हैं।

लजीज व्यंजन मिलेंगे। यात्री डोसा, इडली, उपमा, ताजे फल, आलू कुलचा, स्वीस रोल, रेस्टेड ड्राई फ्रूट के साथ कई तरीके के नॉनवेज व्यंजन का लुत्फ।

देश की पहली ट्रेन है, जिसमें मेल व फीमेल ट्रेन होस्टेस हैं। इनकी संख्या 15-15 है।

ट्रेन का किराया प्रथम श्रेणी का किराया 1500 व चेयरकार का 750 रुपये प्रति सीट।

बेहतर आंतरिक साज-सज्जा का सामान जैसे पर्दे, सीट कवर।

शौचालयों में डस्टबिन रखे गए हैं।

दिल्ली और आगरा की पेंटिंग्स व पोस्टर लगे हैं।

कोच में सुगंध के लिए माइक्रो बूस्टर हैं।

मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर गेट ऑटोमेटिक खुलते व बंद होते हैं।

ट्रेन पूरी तरह से वाई-फाई है।

यह हैं देश की अधिकतम स्पीड वाली ट्रेनें

गतिमान एक्सप्रेस	: 160
शताब्दी एक्सप्रेस	: 150
राजधानी एक्सप्रेस	: 130
दुरंतो एक्सप्रेस	: 110

(ट्रेनों की रफ्तार किमी प्रति घंटा में)

ऐसे पहुंची मुकाम तक हाईस्पीड ट्रेन

- **पहला ट्रायल :** तीन जुलाई 2014, 100 मिनट पर कैंट पहुंची। 65 फीसद रूट पर ट्रेन 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ी थी।
- **दूसरा ट्रायल :** 11 सितंबर 2014, 103 मिनट। 60 फीसद रूट पर ट्रेन की रफ्तार 160 किमी।
- **तीसरा ट्रायल :** 23 दिसंबर 2014, 148 मिनट। 45 फीसद रूट पर ट्रेन 160 किमी की रफ्तार से दौड़ी।
- **चौथा ट्रायल :** 24 दिसंबर 2014, 150 मिनट पर। 40 फीसद रूट पर ट्रेन 160 किमी की रफ्तार से दौड़ी।
- **पांचवां ट्रायल :** 26 दिसंबर 2014, 168 मिनट पर। 30 फीसद ट्रैक पर ट्रेन 160 किमी की रफ्तार से दौड़ी।
- **छठवां ट्रायल :** दो जून 2015, 115 मिनट। 50 फीसद ट्रैक पर 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली।
- **सातवां ट्रायल :** 21 मार्च 2016, 112 मिनट। 80 फीसद ट्रैक पर 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ी।

दिल्ली-कानपुर के बीच दौड़ेगी दूसरी सेमी हाईस्पीड

रेलवे ने शुरू की तैयारी, आरडीएसओ करेगा ट्रायल

देश में नौ सेमी हाई स्पीड रूट हैं प्रस्तावित

जागरण संवाददाता, आगरा : आगरा रेल मंडल के लोगों को जल्द ही एक और सेमी हाईस्पीड ट्रेन का तोहफा मिलने जा रहा है। गतिमान एक्सप्रेस के सफल संचालन के बाद अब एक और सेमी हाईस्पीड ट्रेन के सपने को पूरा करने के प्रयास शुरू हो गए हैं।

देश की दूसरी सेमी हाईस्पीड ट्रेन का ट्रायल दिल्ली से कानपुर के बीच होगा। रेलवे व अनुसंधान विकास एवं अभिकल्प संगठन (आरडीएसओ) ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

देश में नौ सेमी हाईस्पीड कॉरीडोर प्रस्तावित हैं, जिसमें एक कॉरीडोर दिल्ली-आगरा के बीच था। ट्रायल की शुरुआत दो साल पूर्व हुई थी।

सात ट्रायल होने के बाद मंगलवार से ट्रेन का संचालन शुरू हुआ। अब रेलवे दिल्ली-कानपुर के बीच दूसरी सेमी हाईस्पीड ट्रेन के ट्रायल करने जा रहा है। साथ ही चार रूटों पर फिजिबिलिटी तलाशी जा रही है।

मंगलवार को निजामुद्दीन से चलकर आगरा कैंट स्टेशन पहुंची सजी हुई गतिमान एक्सप्रेस। जागरण

झांसी तक के लिए जल्द शुरू होगा सर्वे

देश की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन का संचालन निजामुद्दीन से आगरा तक शुरू हो गया है, लेकिन रेलवे इसका दायरा बढ़ाने की तैयारी में है। इसके लिए जल्द ही सर्वे का कार्य शुरू होगा। जिसमें ट्रैक, सिगनल, ओवर हेड इलेक्ट्रिक सहित अन्य शामिल हैं।

रफ्तार बढ़ाने पर भी ध्यान देगा रेलवे

ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 160 किमी प्रति घंटा है। अब रेलवे व आरडीएसओ ट्रेन की रफ्तार बढ़ाने का अध्ययन करने जा रहे हैं। जिससे इसकी रफ्तार को 200 किमी प्रति घंटा किया जा सके। इसके लिए रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में नए कोच तैयार किए जा रहे हैं। जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी।

बदलेगा ट्रेनों का समय

गतिमान एक्सप्रेस के चलते ताज, भोपाल शताब्दी सहित कई अन्य ट्रेनों के समय में बदलाव हो सकता है। इसके लिए रेलवे अफसरों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। क्योंकि ताज व भोपाल एक्सप्रेस से सबसे ज्यादा विदेशी पर्यटक आगरा आते हैं।

हमारे एरिया से जुड़ा सेमी हाईस्पीड रूट

- आगरा-दिल्ली रूट, दूरी 188 किमी।
- दिल्ली-कानपुर रूट, दूरी 441 किमी।

कई और रूट पर सेमी हाईस्पीड ट्रेन के ट्रायल की तैयारियां शुरू हो गई हैं, जिसमें एक रूट दिल्ली-कानपुर भी है।

एके सक्सेना, अपर महानिदेशक (पीआर), रेलवे।

लैंडमार्क बनेगी गतिमान

■ गतिमान एक्सप्रेस में पहले दिन सफर करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा। ब्रेकफास्ट, जूस, पानी की बोतल, न्यूजपेपर समेत कई सुविधाएं मिलीं। दिल्ली आना-जाना अब और आसान हो गया है।

विपुल सिंघल

■ सफर बहुत बढ़िया रहा। हॉस्पिटेलिटी सर्विस बहुत अच्छी है। ट्रेन में बायोडिग्रेडेबल टॉयलेट हैं, जो पर्यावरण के लिए अच्छे हैं। यह ट्रेन देश के लिए लैंडमार्क बनेगी। अन्य रूटों पर भी ऐसी ट्रेन शुरू हों।

एमएस साहनी

■ ट्रेन में दो अप्रैल को बुकिंग कराई थी। हमें आगरा नहीं घूमना था, केवल ट्रेन में सफर करना था। दिल्ली से निजामुद्दीन तक का सफर काफी अच्छा रहा। ट्रेन के सफर में प्लेन का मजा मिला।

अतिन शर्मा

■ ट्रेन में रेलवे द्वारा दी जा रही सुविधाएं बहुत अच्छी है। अब 100 मिनट में दिल्ली से आगरा की दूरी तय होगी। ट्रेन का सफर बहुत अच्छा रहा। पहले दिन ही गतिमान में सफर करना यादगार बन गया।

पूजा।

गतिमान में मौजूद ट्रेन होस्टेस।

वाह! ट्रेन में होस्टेस

◆ पहली बार हुआ प्रयोग

आगरा : हवाई यात्रा में होस्टेस की सेवाएं मिलती थीं। मगर देश की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन गतिमान एक्सप्रेस के साथ ही ट्रेनों में भी होस्टेस की सेवाएं शुरू हो गई। रेल यात्रियों के लिए यह नया अनुभव था।

गतिमान एक्सप्रेस देश की पहली ऐसी ट्रेन है, जिसमें होस्टेस को तैनात किया गया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आइआरसीटीसी) ने ट्रेन में कैटरिंग और होस्टेस की जिम्मेदारी ट्रैवल फूड सर्विस को सौंपी है। जिसने ट्रेन में 30 होस्ट-होस्टेस को तैनात किया है। इनमें 15 महिलाएं व 15 पुरुष हैं। जो सुबह व शाम रेल में काम करेंगे। होस्टेस स्वाति ने बताया कि इससे पूर्व वह निजी एयरलाइंस में काम करती थीं। जब ट्रेन में होस्टेस की जॉब निकली तो उन्होंने भी आवेदन कर दिया। ट्रेन में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा है। वहीं, गीता का कहना था कि एयरलाइंस और ट्रेन में काम करने का अनुभव काफी अलग है। इतिहास के पलों का भागीदार बन अच्छा लग रहा है। ट्रैवल फूड सर्विस के मैनेजर परचेज मेजर सोनार का कहना है कि ट्रेन के लिए स्टाफ का सलेक्शन कई बातों को ध्यान में रखकर किया गया है। होस्टेस का चयन उनके अनुभव, प्रशिक्षण के आधार पर किया गया है।

गति का मान रखा स्वच्छता का भी रखते: देश की ट्रेन यात्रा में स्पीड का नया आगाज करने वाली गतिमान एक्सप्रेस के कोच देखकर गंदगी फैलाने का मन नहीं करता परंतु अक्सर विदेशों की स्वच्छता के कसीदे पढ़ने वाले यात्रियों ने यात्रा के दौरान स्वच्छता का ध्यान नहीं रखा। काश, वह ऐसा करते तो कथनी और करनी में भिन्नता का पैमाना नहीं होता। फोटो : यतीश लवानिया

वीआइपी लाउंज का उद्घाटन

मंगलवार को ही कैंट रेलवे स्टेशन पर रेलवे अफसरों ने वीआइपी लाउंज का उद्घाटन किया। आगरा रेल मंडल में यह पहला लाउंज है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर आइआरसीटीसी ने तैयार किया है। शुरू के दो घंटे के लिए 100 रुपये किराया फिर हर घंटे के हिसाब से 50 रुपये, वाशिंग चेंज किट 75 रुपये की है।

यह खुशियों वाला दिन : कठेरिया

आगरा : केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. रामशंकर कठेरिया ने कहा कि गतिमान के चलने का दिन खुशियों वाला है। उन्होंने कैंट स्टेशन पर पर पत्रकारों से कहा कि समय की महत्ता को देख देश में गतिमान जैसी ट्रेनों की जरूरत है। मंत्रालय ने इसमें यह भी ध्यान में रखा है कि यात्रियों के समय का सदुपयोग कैसे हो। गतिमान की टाइमिंग के हिसाब से आगरा में पर्यटकों के रात्रि प्रवास न बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमें सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। जिस पर्यटक को रुकना होगा, वह जरूर यहां रुकेगा।

माई फ्री टीवी से मनोरंजन

आगरा : वाईफाई नहीं, माई फ्री टीवी कहिए जनाब! जी हां, देश की पहली एंटरटेनमेंट सिस्टम वाली ट्रेन गतिमान में वाईफाई की जगह MyFreeTV है। जिस पर लॉगइन करने के बाद आप मनोरंजन के असीमित संसार में प्रवेश कर जाएंगे। प्राथमिक चिकित्सा के तरीके बताने के साथ सुरक्षा के उपाय भी इसमें बताए जाएंगे। माइफ्री टीवी इन के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक संदीप आर्य ने बताया कि जिस तरह का सिस्टम हवाई जहाज में होता है, उसी तरह का सिस्टम ट्रेन में प्रयोग किया है। इसमें सौ घंटे का रिकॉर्डेड कार्यक्रम है।

आगरा कैंट स्टेशन पर पहुंची गतिमान एक्सप्रेस के ठहराव के दौरान कोच में बैठे केंद्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया और डीआरएम प्रभाष कुमार चर्चा करते हुए। जागरण

गतिमान का सफर और आगरा की सैर

आइआरसीटीसी ने लांच किए दो टूर पैकेज

जागरण संवाददाता, आगरा : गतिमान में सफर के साथ सैलानी आगरा की सैर भी कर सकेंगे। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (आइआरसीटीसी) ने इसके लिए पैकेज टूर लांच किए हैं। जिनमें दिल्ली (निजामुद्दीन) से आगरा कैंट और आने व जाने को गतिमान में सफर और यहां स्मारकों का दीदार, रात्रि प्रवास भी शामिल है।

आइआरसीटीसी ने गतिमान एक्सप्रेस पर आधारित दो टूर पैकेज तैयार किए हैं। जिनमें स्पेशल फुल डे पैकेज टूर और टू डेज एंड वन नाइट पैकेज टूर शामिल हैं। फुल डे पैकेज टूर में स्मारकों के भ्रमण को प्रवेश शुल्क, एसी वाहन, लंच और गाइड की सुविधा शामिल है। स्पेशल पैकेज टूर में भारतीयों में वयस्क का शुल्क 2100 और बच्चे का दो हजार जबकि विदेशी में वयस्क का शुल्क 3900 और बच्चे का 2000 रुपये है। वहीं, दूसरे पैकेज टूर में पंचसितारा होटल में रात्रि प्रवास के साथ लंच व डिनर, गाइड, प्रवेश शुल्क और एसी वाहन की सुविधा शामिल है। जबकि इसमें वयस्क भारतीय के लिए शुल्क 14500, विदेशी के लिए 17600 है। पांच साल तक के बच्चे के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

मेन्यू में पिज्जा, ऑमलेट, उत्तपम

गतिमान एक्सप्रेस में हर आयु वर्ग का ध्यान रखा गया है। ब्रेकफास्ट में मंगलवार को जहां बच्चों की पसंद पिज्जा शामिल था तो नॉनवेज के शौकीनों के लिए ऑमलेट भी था। इसमें देश के विभिन्न जगहों के लोगों की रुचि को देखते हुए व्यंजन शामिल किए गए हैं। गतिमान एक्सप्रेस में यात्रियों को ब्रेकफास्ट दिया जाएगा। जिसमें वेज में उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय व्यंजनों के साथ नॉनवेज भी शामिल है। वेज में बच्चों के लिए चोकोज, पिज्जा, आलू पराठा, छोले, फल, केक, ब्रेड रोल, उत्तपम, सांबर, उपमा हैं तो नॉनवेज में प्लेन आमलेट समेत चाय, कॉफी, जूस आदि शामिल हैं। आइआरसीटीसी के आगरा कैंट प्रभारी संजीव शर्मा ने बताया कि ट्रेन में देश के अलग-अलग जगह के लोगों के स्वाद को देखते हुए मेन्यू में व्यंजन शामिल किए गए हैं। समय के साथ इनमें बदलाव होता रहेगा।

अब तेजस व अंत्योदय एक्सप्रेस के ट्रैक की तलाश

आगरा : भीड़ कम करने के लिए रेलवे कई और नई ट्रेनों का संचालन करने जा रहा है। देश के व्यस्ततम रूट पर चलने वाली तेजस, अंत्योदय सहित अन्य ट्रेनों के रूट व किराया तय किया जा रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के रेल बजट में रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने तेजस, अंत्योदय, आस्था सर्किट, हमसफर ट्रेनों के संचालन की घोषणा की थी। सोमवार को रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें नई ट्रेनों के संचालन पर जोर दिया। तेजस ट्रेन उच्च वर्ग, हमसफर मध्यम वर्ग के लिए हैं, वहीं एक अन्य ट्रेन अंत्योदय है। ट्रेनों में दीनदयाल कोच भी लगाए जाएंगे। धार्मिक स्थलों के लिए आइआरसीटीसी द्वारा आस्था सर्किट ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। नई ट्रेन किस-किस रूट पर चल सकती है, रेलवे जल्द इसकी सूची तैयार करने जा रहा है। किराया भी तय किया जा रहा है। दिल्ली-आगरा-झांसी, दिल्ली-हावड़ा रूट देश के व्यस्ततम रूटों पर शामिल हैं। ऐसे में इन रूटों पर चार नई ट्रेनों में दो का संचालन किया जा सकता है। अपर महानिदेशक, जनसंपर्क विभाग रेलवे एके सक्सेना ने बताया कि नई ट्रेनों का संचालन जल्द ही किया जाएगा।

डबल डेकर ट्रेन भी विकल्प

दिल्ली-आगरा रूट पर जल्द ही रेलवे डबल डेकर ट्रेन भी चला सकता है। ट्रेन का पूर्व में ट्रायल हो चुका है। यह ट्रेन चलने से किन्हीं दो ट्रेनों का संचालन बंद हो जाएगा।

बच्चों के लिए खेल

ट्रैवल फूड सर्विसेज ने जो मेन्यू कार्ड तैयार किया है वो काफी आकर्षक है। इसे बच्चों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें उनके लिए ज्वॉइन द नंबर, फाइंड द फूड टू योर आउटलेट, पजल्स सहित कई गेम्स भी दिए गए हैं।

अन्य ट्रेनों पर पड़ा असर : चंडीगढ़-यशवंतपुरम सहित पांच ट्रेन हुईं लेट

बिगड़ी दूसरी गाड़ियों की चाल

आगरा : गतिमान एक्सप्रेस ने मंगलवार को दूसरी ट्रेनों की चाल बिगाड़ दी। गतिमान को पास कराने के लिए अन्य ट्रेन को लूप लाइन में खड़ा कर दिया। इसके चलते ट्रेन 30 मिनट से लेकर दो घंटे तक लेट हुईं। गतिमान एक्सप्रेस के चलते चंडीगढ़-यशवंतपुरम को कोसी पर एक घंटा, मंगला एक्सप्रेस को रुनकता पर तीस मिनट, तूफान एक्सप्रेस को पहले वृंदावन व फिर मथुरा पर तीस-तीस मिनट, दो गुड्स ट्रेनों को दो-दो घंटे खड़ा रखा गया। गतिमान एक्सप्रेस के प्लेटफार्म नंबर एक पर दोपहर 12.25 बजे तक खड़े रहने के कारण मंगला एक्सप्रेस सहित कई अन्य ट्रेनों के प्लेटफार्म में भी बदलाव किया।

दो मिनट की देरी से पहुंची गतिमान

गतिमान को वापसी में बिल्लोचपुरा से रुनकता तक 40 से 75 किमी, फरीदाबाद में 20 से 75, ओखला में 100 किमी प्रति घंटा से चलने का कॉशन आर्डर मिला।

पहले पेंटो फिर नोच हुआ खराब

कैंट स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर छह पर ट्रेन खड़ी होने के कुछ देर के बाद ही पेंटो में तकनीकी कमी आ गई। इसके चलते एक घंटे के लिए ओवर हेड इलेक्ट्रिक को बंद कर दिया गया। फिर मरम्मत के बाद शाम को ट्रेन 5.50 बजे प्लेटफार्म नंबर छह से रवाना हुई। ट्रेन ने 500 मीटर की दूरी का सफर तय किया होगा कि इंजन के नोच में खराबी आ गई। उसे आनन-फानन में ठीक किया गया, इस दौरान ट्रेन तीन मिनट तक खड़ी रही। फिर निजामुद्दीन के लिए रवाना हुई। जब तक ट्रेन पलवल स्टेशन को क्रास नहीं कर गई, तब तक वरिष्ठ मंडलीय परिचालन प्रबंधक हिमांशु उपाध्याय सहित अन्य मौजूद रहे।

ड्राइवर लॉबी तक सिमटी रेलवे यूनियन

गतिमान एक्सप्रेस के संचालन की मांग को लेकर रेलवे यूनियन का प्रदर्शन फीका रहा। उत्तर मध्य रेलवे मेंस यूनियन, उत्तर मध्य रेलवे एंप्लायज संघ, लोको संघ के कर्मचारी स्टेशन के बाहर एकत्रित हुए। फिर कर्मचारी ड्राइवर लॉबी में पहुंचे। कर्मचारी प्लेटफार्म पर न आएं, इसके लिए आरपीएफ व जीआरपी ने सुरक्षा घेरा बना रखा था। एंप्लायज संघ के सचिव एके दधीच, लोको संघ के सचिव राहुल चौरसिया ने बताया कि रेलवे को नोटिस दिया गया है। बुधवार से आंदोलन को तेज किया जाएगा।

यह रही टाइमलाइन

निजामुद्दीन से कैंट को

निजामुद्दीन स्टेशन	: सुबह 10.13 बजे रवाना
पलवल	: 10.37 बजे
राजा की मंडी	: 11.42 बजे
कैंट	: 11.52 बजे

कैंट से निजामुद्दीन को

कैंट	: शाम 5.50 बजे
राजा की मंडी	: 5.59 बजे
मथुरा	: 6.20 बजे
पलवल	: 7.01 बजे
निजामुद्दीन	: 7.42 बजे

सेमी हाई स्पीड का सफर

मंगलवार को 160 किमी/घंटे (सेमी हाई स्पीड) की रफ्तार के साथ दिल्ली से आगरा के बीच गतिमान एक्सप्रेस के औपचारिक शुभारंभ के साथ भारतीय रेलवे ने सफलता का नया कीर्तिमान रचा है। अब गतिमान भारत की सर्वाधिक तेज गति से चलने वाली ट्रेन हो गई है। हालांकि दुनिया में काफी पहले ही इस स्पीड की ट्रेनें चल चुकी हैं। यद्यपि गतिमान के चलने के साथ अब प्रस्तावित हाई स्पीड ट्रेन चलाने की योजना को बल मिलेगा।

200
किमी प्रति घंटा
हाई स्पीड ट्रेन की न्यूनतम रफ्तार।

160किमी/घंटा

दुनिया में पहली बार 1934 में 160 किमी/घंटे की रफ्तार को छुआ गया। इसके बाद से ट्रेनों की स्पीड में इजाफा होता गया है :

फ्लाइंग स्कॉट्समैन

रफ्तार : 161 किमी/घंटा

30 नवंबर, 1934 को ब्रिटेन में ईस्ट-कोस्ट मेन लाइन में इस ट्रेन ने 160 किमी/घंटे से अधिक की रफ्तार प्राप्त की। इसमें भाप का इंजन लगा था। यह लंदन से एडिनबर्ग तक का सफर तय करती थी। यह इस गति को पाने वाली आधिकारिक रूप से दुनिया की पहली ट्रेन बनी। 1963 में इसे सेवा से हटा दिया गया।

मिलवाऊकी रोड क्लास एफ 6 6402

स्पीड : 166.6 किमी/घंटा

1934 मे ही अमेरिका में यह ट्रेन चली। इसमें पहियों का डिजाइन और फिटिंग नए प्रकार की थी। इसे 1952-54 में रिटायर कर दिया गया था। यह भी भाप के इंजन से चलती थी।

ट्रांसरैपिड 02

रफ्तार : 164 किमी/घंटा

पश्चिम जर्मनी के म्यूनिख-अलाच के बीच इसे 1971 में चलाया गया था। 160 से अधिक स्पीड हासिल करने वाली पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन थी।

योजना :

देश का पहला हाई स्पीड रेल नेटवर्क मुंबई से अहमदाबाद के बीच बनाने की योजना है। पांच सौ किमी के हाई स्पीड रेल ट्रैक को जापान के सहयोग से बनाया जाएगा। यह ट्रैक वर्ष 2023 तक पूरा होने का अनुमान है। इस ट्रैक पर ट्रेनें 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगी।